

СОДЕРЖАНИЕ

| | |
|-----------------------------------------------------|----|
| ПРЯМСТВО ДУХА..... | 9 |
| ПСИХОЛОГ В КОНЦЛАГЕРЕ | 17 |
| Неизвестный заключенный | 17 |
| Активный и пассивный отбор | 19 |
| Отчет заключенного № 119104..... | 22 |
| ФАЗА ПЕРВАЯ: ПРИБЫТИЕ В ЛАГЕРЬ..... | 29 |
| Станция Аушвиц | 29 |
| Первая селекция | 34 |
| Дезинфекция..... | 38 |
| Что остается человеку: голое существование | 41 |
| Первые реакции..... | 42 |
| «Броситься на проволоку»? | 45 |
| ФАЗА ВТОРАЯ: ЖИЗНЬ В ЛАГЕРЕ | 50 |
| Апатия..... | 50 |
| Что причиняло боль..... | 55 |
| Тяжесть презрения..... | 57 |
| Мечты заключенных..... | 63 |

| | |
|----------------------------------------------------|-----|
| Голод..... | 65 |
| Сексуальность..... | 70 |
| Без всякой сентиментальности..... | 71 |
| Политика и религия..... | 72 |
| Спиритический сеанс..... | 75 |
| Уход в себя..... | 76 |
| Когда отнято все..... | 78 |
| Медитации в канаве..... | 81 |
| Монолог на рассвете..... | 84 |
| Искусство в концлагере..... | 85 |
| Лагерный юмор..... | 89 |
| Мы завидуем арестантам..... | 93 |
| Счастье — это когда худшее обошло стороной..... | 95 |
| В сыпнотифозный лагерь?..... | 98 |
| Жажда одиночества... .. | 101 |
| Судьба играет человеком..... | 104 |
| Последнее желание, выученное наизусть..... | 108 |
| План бегства..... | 111 |
| Раздражительность..... | 121 |
| Внутренняя свобода..... | 127 |

| | |
|-----------------------------------------|------------|
| Судьба — подарок..... | 131 |
| Анализ временного существования..... | 135 |
| Спиноза как воспитатель | 141 |
| Задать вопрос о смысле жизни..... | 148 |
| Страдание как подвиг..... | 151 |
| Ожидание..... | 152 |
| Слово, сказанное вовремя..... | 153 |
| Врачевание души | 156 |
| Психология лагерной охраны | 159 |
| ФАЗА ТРЕТЬЯ: | |
| ПОСЛЕ ОСВОБОЖДЕНИЯ | 166 |
| «Отпустило...»..... | 170 |
| СИНХРОНИЗАЦИЯ В БИРКЕНВАЛЬДЕ | |
| Метафизическая конференция | 176 |